NEWS CLIPPING: 30.01.2019

PUNJAB KESARI

वीएलएसआई डिजाइन पर कार्यशाला प्रारंभ

तकनीक सीखने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित करना है कार्यशाला का उद्देश्य

फरीदाबाद, 29 जनवरी(ब्यूरो): जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद द्वारा वीएलएसआई फ्रंट एंड डिजाइन माइंड टू मार्केट विषय पर आयोजित एक सप्ताह की कार्यशाला आज प्रारंभ हो गई।

कार्यशाला का आयोजन विभिन्न क्षेत्रों में वीएलएसआई डिजाइन से संबंधित उपयोग के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से किया जा रहा है ताकि इस उभरती तकनीक से विद्यार्थियों को रूबरू करवाया जा सके और इसे सीखने के लिए प्रेरित किया जा सके। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में वैज्ञानिक एवं नवीनतम अनुसंधान अकादमी के चांसलर डॉ चंद्र शेखर मुख्य वक्ता रहे। कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने सत्र की अध्यक्षता की। इस अवसर पर इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष डॉ नीलम तुर्क भी उपस्थित थी। कार्यशाला का संचालन रश्मि चावला की देखरेख में किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने विभाग द्वारा बहु.विषयक अनुप्रयोगों के लिए विभिन्न वीएलएसआई और एम्बेडेड सिस्टम को डिजाइन करने के लिए उपयोग की जाने वाली नवीनतम तकनीकों पर कार्यशाला के आयोजन पर इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग की सराहना की। उन्होंने कहा कि वीएलएसआई तथा एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन तकनीक आज अनुसंधान तथा औद्योगिक व वाणिज्यिक गतिविधियों में प्रमुखता से उपयोग की जा रही है। उन्होंने विद्यार्थियों तथा संकाय सदस्यों को वीएलएसआई तथा एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन तकनीकों से संबंधित औद्योगिक जरूरतों के अनुरूप तथा अनुसंधान के दृष्टिगत जरूरी ज्ञान हासिल करने के लिए प्रेरित किया।

पंजाब केसरी ई-पेपर Wed, 30 January 2019
https://epaper.punjabkesari.in/c/36239909

NEWS CLIPPING: 30.01.2019

PUNJAB KESARI COM

वीएलएसआई डिजाइन पर एक सप्ताह की कार्यशाला

फरीदाबाद ,राकेश देव (पंजाब केसरी)। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालयए वाईएमसीए, फरीदाबाद द्वारा वीएलएसआई फ्रंट एंड डिजाइन . माइंड टू मार्केट विषय पर आयोजित एक सप्ताह की कार्यशाला आज प्रारंभ हो गई।कार्यशाला का आयोजन विभिन्न क्षेत्रों में वीएलएसआई डिजाइन से संबंधित उपयोग के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से किया जा रहा है ताकि इस उभरती तकनीक से विद्यार्थियों को रूबरू करवाया जा सके और इसे सीखने के लिए प्रेरित किया जा सके। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में वैज्ञानिक एवं नवीनतम अनुसंधान अकादमी ;एसीएसआईआरद्ध के चांसलर डॉ चंद्र शेखर मुख्य वक्ता रहे। कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने सत्र की अध्यक्षता की। इस अवसर पर इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष डॉ नीलम तुर्क भी उपस्थित थी। कार्यशाला का संचालन रश्मि चावला की देखरेख में किया गया। इस अवसर

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ।(छाया :राकेश देव)

पर बोलते हुए कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने विभाग द्वारा बहु.विषयक अनुप्रयोगों के लिए विभिन्न वीएलएसआई और एम्बेडेड सिस्टम को डिजाइन करने के लिए उपयोग की जाने वाली नवीनतम तकनीकों पर कार्यशाला के आयोजन पर इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग की सराहना की। उन्होंने कहा कि वीएलएसआई तथा एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन तकनीक आज अनुसंधान तथा औद्योगिक व वाणिज्यिक गतिविधियों में प्रमुखता से उपयोग की जा रही है। उन्होंने विद्यार्थियों तथा संकाय सदस्यों को वीएलएसआई तथा एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन तकनीकों से संबंधित औद्योगिक जरूरतों के अनुरूप तथा अनुसंधान के दृष्टिगत जरूरी ज्ञान हासिल करने के लिए प्रेरित किया। अपने संबोधन में सत्र के मुख्य वक्ता डा. चंद्र शेखर ने प्रतिभागियों को बताया कि किस तरह वीएलएसआई एम्बेडेड सिस्टम के उपयोग का दायरा बढ़ रहा है।

पंजाब केसरी Wed, 30 January 2019
mpaper.punjabkesari.com/c/36240069

HINDUSTAN

कार्यशाला में तकनीकी अनुसंधान पर मंथन

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (वाईएमसीए) में मंगलवार से एक सप्ताह तक वीएलएसआई फ्रंट एंड डिजाइन-माइंड टू मार्केट विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें वीएलएसआई डिजाइन के उपयोग, टीकैड, एफपीजीए किट और वेरिफिकेशन टूल और तकनीकी अनुसंधान के विषय में चर्चा की गई।

इसका उद्घाटन वैज्ञानिक एवं नवीनतम अनुसंधान अकादेमी (एसीएसआईआर) के कुलाधिपति डॉ. चंद्र शेखर मुख्य वक्ता ने किया, अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की।

डॉ. चंद्र शेखर ने कहा कि वीएलएसआई एंबडेड सिस्टम आधुनिक जीवन शैली की जरूरत बन गया है। इस दौरान एसआईआर-सीईईआरई पिलानी के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. एससी बोस तथा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. बी प्रसाद ने भी संबोधित किया। उन्होंने वीएलएसआई तथा एंबेडेड सिस्टम डिजाइन तकनीक अनुसंधान तथा औद्योगिक और वाणिज्यिक गतिविधियों में प्रमुखता के विषय में बताया।

NEWS CLIPPING: 30.01.2019

DAINIK BHASKAR

वाईएमसीए में कार्यशाला शुरू, बोले प्रो. कुमार

वीएलएसआई डिजाइन नई तकनीक है, स्टूडेंट्स इसे समझें व रिसर्च में यूज करें

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (वाईएमसीए) में 'वीएलएसआई फ्रंट एंड डिजाइन-माइंड टू मार्केट' विषय पर एक सप्ताह की कार्यशाला शुरू हुई। इसका आयोजन विभिन्न क्षेत्रों में वीएलएसआई डिजाइन से संबंधित उपयोग के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से किया गया है। जिससे इस उभरती तकनीक से विद्यार्थियों को रूबरू कराकर इसे सीखने के लिए प्रेरित किया जा सके।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में वैज्ञानिक एवं नवीनतम अनुसंधान अकादमी के चांसलर डा. चंद्र शेखर मुख्य वक्ता थे। जबकि कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने सत्र की अध्यक्षता की। इस दौरान कुलपति प्रो. कुमार ने विभाग की ओर से बहु-विषयक अनुप्रयोगों के लिए विभिन्न वीएलएसआई और एम्बेडेड सिस्टम को डिजाइन करने के लिए उपयोग की जाने वाली नवीनतम तकनीकों पर कार्यशाला के आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा कि वीएलएसआई तथा एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन तकनीक आज अनुसंधान तथा औद्योगिक व वाणिज्यिक गतिविधियों में प्रमुखता से उपयोग की जा रही है। उन्होंने विद्यार्थियों तथा संकाय सदस्यों को वीएलएसआई तथा एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन तकनीकों से संबंधित औद्योगिक जरूरतों के अनुरूप तथा अनुसंधान के दृष्टिगत जरूरी ज्ञान हासिल करने के लिए प्रेरित किया। मुख्य वक्ता डा. चंद्रशेखर ने बताया कि किस तरह वीएलएसआई एम्बेडेड सिस्टम के उपयोग का दायरा बढ़ रहा है और कैसे यह आधुनिक जीवन शैली का हिस्सा बनता जा रहा है। उन्होंने वीएलएसआई डिजाइन पर मौजूदा परिवेश पर प्रकाश डाला तथा उद्योग में एनालाग सर्किट की आवश्यकता तथा इसके लिए अपेक्षित जरूरी कौशल पर विस्तार से बताया। पहले दिन अन्य विशेषज्ञ सत्रों को एसएसआईआर-सीईईआरई पिलानी के चीफ साइंटिस्ट डा. एससी बोस तथा कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय में प्रोफेसर डा. बी प्रसाद ने भी संबोधित किया।

कार्यशाला के पहले दिन सहायक प्रोफेसर रश्मि चावला और उनकी टीम में शामिल इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग के छठे सेमेस्टर के विद्यार्थी दीपक व अमित द्वारा बनाया गया स्विचेबल स्मार्ट ग्लास रियर प्रोजेक्शन स्क्रीन मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहा। एक सप्ताह तक चलने वाली इस कार्यशाला के दौरान प्रयोगात्मक सत्र भी होंगे। इस मौके पर इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष डा. नीलम तुर्क भी मौजूद थीं। कार्यशाला का संचालन रश्मि चावला की देखरेख में किया गया।

NEWS CLIPPING: 30.01.2019

NAVBHARAT TIMES

एक सप्ताह की कार्यशाला शुरू

एनवीटी न्यूज, फरीदाबाद : विद्यार्थियों को नई तकनीक के बारे में जानकारी देने के लिए जेसी बोस (वाईएमसीए) यूनिवर्सिटी में एक सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। मंगलवार को वीएलएसआई फ्रंट एंड डिजाइन- माइंट टू मार्केट विषय पर आयोजित इस कार्यशाला का शुभारंभ करते समय वैज्ञानिक व नवीनतम अनुसंधान अकादमी के चांसलर डॉ.चंद्र शेखर मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद थे। वहीं जेसी बोस यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। प्रोफेसर दिनेश कुमार ने कहा कि वीएलएसआई व एंबेडेड सिस्टम डिजाइन तकनीक आज अनुसंधान, औद्योगिक व वाणिज्यिक गतिविधियों में प्रमुखता से उपयोग की जा रही है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी इस कार्यशाला का पूरा लाभ उठाएं। मौके पर रश्मि चावला, दीपक अमित आदि मौजूद थे।